भीण्डर हॉस्पिटल परिसर में गिर रहा प्लास्टर और पानी

वार्डों के बाहर पानी भरा हुआ है और परिसर में गंदगी फैली हुई है

भीण्डर, (निसं)। गंभीर बीमारियों का इलाज करने वाला हॉस्पिटल ही जब बीमार हो जाएं तो फिर क्या होगा। ऐसा ही हाल हैं भीण्डर के सरकारी हॉस्पिटल का। यहां छत से लगातार पानी टपक रहा हैं तो प्लास्टर नीचे गिर रहा है। वार्डों के बाहर पानी भरा हुआ हैं तो पूरे परिसर में गंदगी फैली हुई है। अब ऐसे बीमार हॉस्पिटल में मरीजों का कैसे इलाज होगा और कैसे वो स्वस्थ होंगे।

उदयपुर जिले के सबसे बडे भीण्डर नगर के गुलाबसिंह शक्तावत राजकीय सामान्य चिकित्सालय का भवन जीर्णशीर्ण होने से बडे हादसे का खतरा बना हुआ है। लेकिन ना तो चिकित्सालय प्रशासन ध्यान दे रहा हैं और ना ही जिम्मेदार जनप्रतिनिधि। चिकित्सालय परिसर के जननी वार्ड के बाहर पूरे परिसर में प्लास्टर के साथ-साथ पानी गिर रहा है। जिससे पूरे परिसर में पानी भरा हुआ होने के साथ भर्ती मरीज असुरक्षित महसुस कर रहे है। जननी वार्ड में भर्ती प्रसुताएं व नवजात बच्चों पर खतरा मंडरा रहा है।

भीण्डर हॉस्पिटल में छत से टपकता हुआ पानी और क्षतिग्रस्त छत।

भीण्डर हॉस्पिटल के विभिन्न स्थानों पर टूट-फुट हो रही हैं, कई जगहों पर प्लास्टर उखड करके नीचे गिर रहा है। वहीं कई जगहों पर पानी लिकेज होकर पूरे भवन को खराब कर रहा है। वार्डों में भी स्थिति अच्छी नहीं है। वर्षों पूराने हो चूके भवन की मरम्मत के लिए सरकार से जारी होने वाला बजट का उपयोग भी नहीं हो रहा है। हॉस्पिटल के आपातकालीन प्रवेश द्वार का छज्जा पूरी तरह से जीर्णशीर्ण हो रही हैं और उससे प्लास्तर गिर रहा है। हॉस्पिटल परिसर में जगह-जगह गंदगी के ढे र लगे हुए हैं तो महिलाओं के लिए शौचालय बंद पडे हुए है। परिसर में नियमित सफाई नहीं होने से पूरे परिसर में गंदगी व्याप्त है। वहीं गत रात्रि को 8 बजे तक बिजली भी नहीं थी, तो आखिर सवाल ये उठता हैं कि इन अनियमितताओं पर बडे-बडे वेतन पाने वाले अधिकारियों पर कब कार्यवाही होगी और आमजन को राहत देने के लिए कब जरूरी कदम उठायें जायेंगे।

डॉ. संकेत जैन, बीसीएमओ भीण्डर ने बताया किभीण्डर हॉस्पिटल में वर्तमान में निर्मित हुए नये वार्ड की वजह से पानी टपक रहा है। इसको रोकने के लिए व्यवस्था की जायेगी। वहीं जहां-जहां प्लास्टर गिर रहा हैं उसकी मरम्मत भी करवाई जायेगी।

राजे ने सांवलिया सेठ के दर्शन किये, मीटिंग ली

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दर्शन किए व पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

मंडफिया, (निसं)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दर्शन किए। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे समीपवर्ती अनगढ बावजी तीर्थ स्थल पर आयोजित चातुर्मास कार्यक्रम में भाग लेने पहुंची थी। वहां आयोजित कार्यक्रम के बाद पूर्व मुख्यमंत्री राजे सायं 4 बजे, पूर्व कैबिनेट मंत्री चंद कृपलानी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मंडफिया पहुंची। यहां भगवान श्री सांवलिया जी सेठ के दर्शन किए।

दर्शन पश्चात पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे मंदिर बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया लाल वैष्णव के घर जाकर उनकी कुशलक्षेम पूछी। पूर्व अध्यक्ष वैष्णव कुछ दिनों पूर्व बीमार हो गए थे, जोकि अब घर पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। यहां पूर्व सीएम राजे का पूर्व अध्यक्ष कन्हैयालाल वैष्णव, मंडफिया पूर्व सरपंच हजारी दास वैष्णव, जीएसएस अध्यक्ष राजकुमार वैष्णव, रमेश चंद्र वैष्णव एवं विश्वास वैष्णव आदि ने उपरना, प्रसाद एवं तस्वीर भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। पूर्व सीएम राजे वैष्णव के घर लगभग 2 घंटे से भी ज्यादा समय तक रुकी और भोजन भी ठाहण किया।

इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री राजे के साथ पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री चंद कृपलानी, कपासन विधायक अर्जुन लाल जीनगर, जिला प्रमुख सुरेश धाकड, भाजपा जिला अध्यक्ष गौतम दक, चित्तौड़गढ के पूर्व सभापति सुशील शर्मा सहित सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था के तहत भदेसर उपखंड अधिकारी मोनिका सामोर, भदेसर विकास अधिकारी सुनील कुमार जोशी, तहसीलदार गुंणवत लाल माली, मंडफिया थाना अधिकारी ओम सिंह चुंडावत सहित भारी पुलिस बल तैनात था।

राजेंद्र राठौड़ ने कांग्रेस सरकार को आड़े हाथों लिया

जोधपुर, (कासं)। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने जोधपुर के सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत की। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ जोधपुर के सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजपा की गुटबाजी की चर्चाओं पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर कई हमले भी किए। राठौड़ एक कार्यक्रम में शामिल होने जोधपुर आए थे। बीते दिनों जोधपुर के बालेसर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सभा में पूर्व विधायक बाबू सिंह के हाथ से माइक छीन लेने की घटना पर उन्होंने कहा कि बाबू सिंह भी हमारे हैं और गजेंद्र सिंह भी हमारे हैं। आप सिंहों में अंतर नहीं कर पाओगे।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इस बात को गुटबाजी के रूप में नहीं लेना चाहिए। क्योंकि जब मुख्य अतिथि का भाषण के लिए नाम पुकारा जाता है तो उन्हीं का उद्बोधन होता है।इससे पहले उन्होंने प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ जमकर हमला बोला। कहा कि जोधपुर का विकास मुख्यमंत्री कुछ नहीं करवा पाए। आज भी जब बारिश होती है तो यहां सबसे ज्यादा पानी का भराव होता है, ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह से बिगड़ा हुआ है। उन्होंने हवाला दिया कि स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल कहते हैं कि जयपुर का विकास मंत्री और विधायकों की आपसी लड़ाई के कारण नहीं हुआ, लेकिन जोधपुर में तो किसी की लड़ाई नहीं फिर यहां विकास क्यों रोका गया।

उदयपुर की सभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को मंच पर बोलने के लिए आमंत्रित करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि राज्य की दो बार की पूर्व मुख्यमंत्री है और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। राजस्थान में भाजपा उनसे अलग नहीं है। राजे सीएम चेहरा होंगी या नहीं इस सवाल पर उन्होंने कहा कि यह तय करने वाला सेंट्रल पार्लियामेंट्री बोर्ड है।

राठौड़ ने कहा कि जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में हुए शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच अगर भाजपा सरकार आती है तो निश्चित तौर पर करवाएगी। कांग्रेस ने दशोरा कमेटी की सिफारिशों को ही नजरअंदाज कर नई कमेटी बना दी। जो कि शिक्षक भर्ती घोटाले बाजों को पनाह देने जैसा है।

राठौड़ ने कहा कि महंगाई राहत कैंपों के नाम पर कांग्रेस सिर्फ आंशिक राहत दे रही है। बिजली के बिलों एक तरफ राहत देकर दूसरी तरफ फ्यूल सरचार्ज के नाम पर बड़ी वसूली की जा रही है। राठौड़ ने आरोप लगाया कि महिलाओं को स्मार्टफोन देने के नाम पर खैरात बांटी जा रही है। पहले एक करोड़ 33 लाख महिलाओं को स्मार्टफोन देने के लिए ढाई हजार करोड़ का बजट रखा। यह बिल्कुल चुनावी खैरात की तरह ही है।

डीडवाना नगर पालिका ने 1996 में अपने ही खारिज पट्टों को दोबारा जारी किया

1996 में 10 पट्टों को किया था खारिज, उनमें से दो व्यक्तियों को दोबारा जारी कर दिए पट्टे

डीडवाना, (नि.सं.)। अक्सर भ्रष्टाचार, अनियमितता और लापरवाही को लेकर चर्चा में रहने वाली डीडवाना नगर पालिका का एक और बड़ा कारनामा सामने आया है। नगर पालिका ने उन जमीनों के पट्टे जारी कर दी है जिसे खुद नगरपालिका ने 27 साल पहले निरस्त कर दिया था। यही नहीं जिन भूमियों के पट्टे जारी किए गए हैं, उस पर नगरपालिका ने ही अपनी शिवाजी नगर आवासीय योजना बनाई थी, उसके बावजूद नगर पालिका ने नियमों को दरकिनार कर इन जमीनों पर पट्टे जारी कर दिए।

आपको बता दें कि यह मामला साल 1983 का है, जब खसरा नंबर 1255 की भूमि उपखंड अधिकारी के आदेश से आबादी में परिवर्तित करके डीडवाना नगर पालिका को स्थानांतरित की गई थी। इस जमीन में शिवाजी नगर आवासीय योजना बनाई गई। इसी खसरे के भूभाग पर जमाल नामक एक व्यक्ति ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया और उसके पुत्रों ने भी 3 बीघा से अधिक भूमि पर कब्जा कर लिया। इसके बाद इस भूमि का नियमन करने के लिए 10 पत्रावलियां तैयार कर नगर पालिका में पेश कर दी। हालांकि मौके पर कब्जा नहीं होने से तथा यह भूमि नगर पालिका को रिहायशी कॉलोनी के उद्देश्य से दिए जाने के कारण इन पत्रावलियों को खारिज कर दिया गया। लेकिन प्रशासन शहरों के संग अभियान के दौरान वर्ष 1985 में तत्कालीन अधिकारी ने बिना किसी छानबीन किए ही नियमों के विपरीत जाकर इन पत्रावलियों के नियमन के आदेश जारी कर दिए।

- अपनी रिपोर्ट में नगरपालिका ने खुद माना था संबंधित व्यक्तियों को अतिक्रमी
- जिस जमीन पर जारी किए गए पट्टे वह नगर पालिका की शिवाजी नगर आवास योजना की भूमि है

इसके बाद यह मामला जिला कलेक्टर नागौर को प्रेषित किया गया, जिस पर जिला कलेक्टर ने एक निर्णय पारित करते हुए डीडवाना नगर पालिका को निर्देश दिए कि भूमि के नियमन संबंधी कार्यवाही नियमों में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करते हुए एवं पुराने कब्जे का अभिलेख तथा अन्य साक्ष्य से सत्यापन करने के पश्चात इस मामले में गुण अवगुण के आधार पर विचार कर और अपने अधिकार क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए पुन: आदेश पारित किया जाए।

जिला कलेक्टर के आदेशों की पालना में अधिशासी अधिकारी ने 8 नवंबर 1994 को संबंधित व्यक्तियों को सुनवाई हेतु नोटिस जारी कर अपने सबूत और साक्ष्य प्रस्तुत करने को कहा, मगर संबंधित व्यक्तियों द्वारा तय समय सीमा में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके बाद नगर पालिका द्वारा पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन और जमीन का भौतिक निरीक्षण किया गया। नगर पालिका ने अपनी जांच में यह पाया कि 1983 में जब यह भूमि नगरपालिका को हस्तांतरित की गई थी, उस वक्त यह खाली थी और यहां किसी प्रकार का कोई रिहायशी मकान नहीं बना हुआ था और जिस 3 बीघा से अधिक भूमि का नियमन करने के लिए पत्रावलियां प्रस्तुत की गई है, वहां भी किसी प्रकार का कोई रिहायशी मकान नहीं बना है। पूर्व में इस भूमि पर जमाल के पुत्रों को 10 प्लॉट के नियमन के आदेश 25 जनवरी 1985 को किए गए थे और तहसीलदार डीडवाना ने भी 7 जनवरी 1985 को अपने निर्णय में संवत 2020 से कब्जा होना बताया, जो नगरपालिका ने संदेहास्पद माना।

टोंक में 24 घन्टे में 14.82 एम.एम बारिश

टोंक, (निसं)। जिले में शनिवार रात को कई जगहों पर तेज बारिश हुई, तो कई जगहों पर हल्की बारिश हुई। जिले में बीते 24 घंटे में 14.82 एम.एम बारिश दर्ज की गई है। सबसे ज्यादा 47 एम.एम बारिश टोंक शहर और दूनी तहसील क्षेत्र में हुई। टोंक शहर में अच्छी बारिश से सड़कों पर पानी बहने लगा। लगातार बारिश के कारण मौसम में नमी बनी हुई है।

जिले में इस साल गर्मी के मौसम में भी सप्ताह भर कर अंतराल में ही कई तेज तो कई हल्की बारिश होती रही हैं। इसके चलते लोगों को ज्यादा दिनों तक गर्मी का अहसास नहीं हुआ। 15 जून से 1-2 दिन के अंतराल बारिश हो रही है। पहले बिपरजॉय और अब मानसून की बारिश से इन दिनों 1-2 दिन में ही बारिश हो रही है। पिछले दो दिन से जिले में 41.14 एम.एम बारिश हुई है। जिले में इस सीजन में अब तक 247.73 एम.एम बारिश हो गई है, जो औसत बारिश 38.64 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। जिले में 4 बांध ओवरफ्लो हो चुके हैं। जल संसाधन विभाग के नियंत्रण कक्ष प्रभारी नरेश गुर्जर ने बताया कि प्री मानसून की बारिश से बांधों में पानी की आवक बनी हुई है। विभाग के अधीन 30 बांधों में 43.15 प्रतिशत पानी आ चुका है।

बीसलपुर बांध में पानी की आवक शनिवार के मुकाबले कम हो गई है। बीसलपुर बांध परियोजना के एक्सईएन मनीष बंसल ने बताया कि बीते 24 घंटे में 1 सेंटीमीटर पानी बीसलपुर बांध में आया है। रविवार सुबह 6 बजे तक बांध का गेज 313.26 आर एल मीटर हो गया है।

समारोह में अनिता भदेल व द्रोपदी कोली आमने-सामने

अजमेर, (कासं)। अजमेर नगर निगम के वार्ड 44 में रविवार को अजमेर दक्षिण से भाजपा विधायक अनिता भदेल ने मिसिंग लिंक सड़क योजना के तहत 28 लाख रूपये की लागत से बनने वाले सीसी सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया, लेकिन यह शिलान्यास विवादो में आ गया है। अजमेर नगर निगम में कांग्रेस की पार्षद व नेता प्रतिपक्ष द्रोपदी कोली ने शिलान्यास समारोह में पहुंचकर जमकर हंगामा मचाया।

द्रोपदी कोली का आरोप है कि इस सड़क निर्माण कार्य प्रदेश सरकार की ओर से करवाया जा रहा है। विधायक अनिता भदेल वाह-वाही लूटने के लिये शिलान्यास कर रही है, जबकि वह कांग्रेस के वार्डो में विधायक कोष से कोई काम नही करवाती है, ओर शिलान्यास पट्टी लगाने में सबसे पहले पहुंच जाती है। शिलान्यास समारोह में विधायक अनिता भदेल ओर द्रोपदी कोली के कार्यकर्ता भी आपस में उलझते हुये नजर आये। द्रोपदी कोली शिलान्यास पट्टी को हटाने की मांग करने लगी। द्रोपदी कोली ने कहा कि इस सीसी सड़क निर्माण में विधायक भदेल की कोई भूमिका नही है। साथ ही प्रदेश सरकार ने इस तरह के शिलान्यास बोर्ड लगाने के लिये भी मना किये हुये है। बावजूद इसके भाजपा नेता बोर्ड लगा रहे है।

द्रोपदी कोली ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मिसिंग लिंक सड़क योजना के तहत 10 करोड रूपये स्वीकृत किये थे, उसी के तहत यह सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिये विधायक द्वारा कोई अनुशंसा नही की गई है। फिर भी अनिता भदेल ने इस सड़क का शिलान्यास किया है, जिसका उन्होंने विरोध किया है। वही अनिता भदेल ने बताया कि मैं तो कांग्रेस के वार्ड में ही सड़क निर्माण करवा रही थी, लेकिन प्रतिपक्ष नेता द्रोपदी कोली तो उसी का ही विरोध कर रही थी। यह समझ से परे है तथा उन्होने कहा कि यदि मुख्यमंत्री स्वयं आकर उद्घाटन करते तो मुख्यमंत्री का नाम आना स्वाभाविं है। जब मुख्यमंत्री आये ही नही तो शिलापट्टीका पर उनका नाम किस हशियत से लिखा जाये, क्योंकि हम भी इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हूं तो जब उद्घाटन हमारें द्वारा किया गया है तो शिला पट्टीका लगाने पर इनकों एतराज क्यों है।

दो दिन बाद खुले बाजार

जोधपुर, (कासं) । केरू गांव के पुनिया की प्याऊ में दो पक्षों के बीच चल रहे विवाद को देखते हुए अस्थाई पुलिस चौकी लगाई गई है। यहां पर पुलिस के जवान तैनात किए गए हैं। दो दिन चले तनाव के बीच आज से यहां के बाजार खुल चुके हैं और फिलहाल यहां शांति है। थानाधिकारी शकील अहमद ने बताया कि आज यहां पर शांति है बाजार खुल चुके हैं। दोनों पक्षों के बीच तनाव को देखते हुए अस्थाई चौकी शुरू की गई है जहां पर पुलिस के जवान 24 घंटे तैनात रहेंगे।बता दें कि सरकारी जमीन पर अतिक्रमण को लेकर दोनों पक्ष शुक्रवार को आमने-सामने हो गए थे। इसी बीच पथराव शुरू होने के चलते दोनों पक्षों के बीच से 25 लोगों को चोट पहुंची थी। वहीं कुछ पुलिसकर्मी भी चोटिल हुए हैं। बाद में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़कर भीड़ को काबू किया।

कांस्टेबल ने पत्नी को गोली मारी

उदयपुर, (कासं)।पारिवारिक कलह के चलते कांस्टेबल ने पत्नी के सीने में गोली मार कर फरार हो गया। हादसे में घायल पत्नी को उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। इस मामले में जिला पुलिस अधीक्षक ने आरोपी कांस्टेबल को सस्पेंड किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार सवेरे टीडी थाने में तैनात कांस्टेबल कारछा थाना खेरवाड़ा निवासी मुकेश पुत्र नीराकुमार सालवी ने अपने ससुराल नया गांव खेरवाड़ा पहुंच कर अपनी पत्नी खुशबू के सीने में गोली मार कर फरार हो गया। हमले में घायल खुशबू को परिजन उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय लेजाकर भर्ती करवाया। इधर सूचना मिलने पर पुलिस उप अधीक्षक ऋषभदेव हेरम्भ जोशी, खेरवाड़ा थानाधिकारी सबीर खान माय जाप्ता ने मौके पर पहुंच कर घटना स्थल का निरीक्षण कर आरोपी की तलाश शुरू की। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि मुकेश व उसकी पत्नी के बीच किसी बात को लेकर मन मुटाव चल रहा था। जिसके चलते खुशबू कुछ समय से अपने पीहर चली गई थी। रविवार सवेरे उठ कर बरसाली निकालने के बहाने चाबी से मालखाने का ताला खोल कर हथियार व कारतुस लेकर बच्चो को उदयपुर मिलने जाने के लिए थाने से सहकर्मी की कार लेकर अपने ससुराल नया गांव पहुंच कर वारदात कर फरार हो गया। आरोपी का पिता नीरा कुमार आएजी हेड कांस्टेबल होकर खेरवाड़ा पीटीएस में इस्टेक्टर है तथा एक भाई गोवर्धन विलास पुलिस थाने में तैनात है। घटना के बाद से पुलिस की टीमें आरोपी की तलाश में जुटी है।

नरेगा मस्टरोल में अंकित नाम काटने के मामले की जांच शुरु

मसूदा (निसं.)। मसूदा पंचायत समिति क्षेत्र अधीन नयागांव ग्राम पंचायत की महिला सरपंच के ससुर द्वारा नरेगा कार्य स्थल पर कार्यस्थल पर कार्य कर रहे श्रमिकों के नाम काटने वह सरपंच के नाम पर दबंगई करने आदि मामले को लेकर विकास अधिकारी फिरोज खान के आदेश पर जांच कमेटी गठित की गई है।

ज्ञातव्य है कि इस मामले को लेकर पीड़ित श्रमिकों ने पिछले दिनों मसूदा उपखंड अधिकारी भरत राज गुर्जर को ज्ञापन सौंपा था। पीडित श्रमिकों शारदा पत्नी श्री उस्मान जॉब कार्ड नंबर 1156, रेखा पत्नी श्री कमरूदीन जॉब कार्ड नंबर 1658, रमजान पुत्र श्री सुवा जॉब कार्ड नंबर 1154 सभी जाति मेहरात द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में सरंपच के ससूर मनफुल द्वारा नरेगा कार्य स्थल पर आकर मेघराज नामक मेट से मस्टररोल छीन कर श्रमिकों की हाजिरी काटने के साथ ही श्रमिकों को ग्राम पंचायत में किसी भी कार्यस्थल पर काम पर नियोजित करने सहित विभिन्न एलानिया धमकी देने के आरोप लगाए थे। इस मामले को लेकर

- पंचायत समिति के विकास अधिकारी फिरोज खान द्वारा गठित कमेटी में सहायक अभियंता प्रमोद कुमार, सहायक विकास अधिकारी रामकरण मीणा व बीएल सिंगारिया हैं

पीड़ित श्रमिकों ने बताया कि एक ओर सरकार नरेगा में रोजगार दे रही है वही जनप्रतिनिधियों के परिजन अनावश्यक रूप से हस्तक्षेप कर नरेगा कार्य पर अनाधिकृत रूप से आकर श्रमिकों के नाम काटकर सरकारी योजना में अनावश्यक हस्तक्षेप कर रहे हैं।

पीड़ित श्रमिकों का कहना था कि इस संबंध में ग्राम पंचायत की सरपंच शबनम बानो को भी इस संबंध में जानकारी दी गई थी, परन्तु सरपंच ने भी यह कहकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली कि ग्राम पँचायत के सभी कार्य ससुर द्वारा किए जाते है। श्रमिकों द्वारा सौंपे गए ज्ञापन को लेकर उपखंड अधिकारी भरत राज गुर्जर ने जांच करवाने का आश्वासन दिया था। उपखण्ड़ अधिकारी द्वारा जाँच के दिए निर्देश के साथ ही मामला पँचायत समिति के विकास अधिकारी फिरोज खान के संज्ञान में आने पर इस मामले में तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की है। जांच कमेटी में सहायक अभियंता प्रमोद कुमार ,सहायक विकास अधिकारी रामकरण मीणा व बीजाराम सिंगारिया को शामिल किया गया है। जांच कमेटी द्वारा पूरे मामले की जांच कर जांच रिपोर्ट पंचायत समिति के विकास अधिकारी को सौंपने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिरोज खान(आर आर डी एस) विकास अधिकारी पंचायत समिति मसूदा का कहना है कि संबंधित मामले की जांच करने के लिए 3 सदस्यीय जाँच कमेटी का गठन किया गया है। जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों की अनदेखी से औपचारिक बना राजगढ़ कस्बे का बस स्टैंड

बसों के अभाव में यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है

राजगढ़, (निसं)। पथ परिवहन निगम के अधिकारियों की अनदेखी की वजह से राजगढ़ कस्बे का बस स्टैंड औपचारिक मात्र बन गया है। बसों के अभाव में यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

विदित रहे कि राजगढ़ वेलफेयर सोसाइटी के अथक प्रयास एवं क्षेत्रीय विधायक जौहरी लाल मीणा के सहयोग से वर्षों के बाद बस स्टैंड का संचालन शुरू हुआ। मगर अधिकारियों की देखरेख के अभाव एवं बस स्टैंड पर कर्मचारियों कमी की वजह से बसों का समुचित संचालन बाधित हो रहा है। गौरतलब है कि आमजन की पीड़ा के मध्य राजगढ़ वेलफेयर सोसाइटी के प्रयास के बाद क्षेत्रीय विधायक ने बस स्टैंड का संचालन शुरू करवाया।

मूलभूत सुविधाओं से सज्जित बस स्टैंड पर यात्रियों के लिए तमाम सुविधाएं हैं, मगर बसों के अभाव में यात्री भटकाव के दौर से गुजर रहा है। कस्बे के बस स्टैंड पर प्रात: 10 बजे के बाद अलवर मार्ग पर 2 बजे तक बसों की सुविधा नहीं है, सायंकाल 4 बजे बाद बस स्टैंड पर आवागमन इन्हीं दिनों बाधित हो गया है। राजगढ़ कस्बे के बस स्टैंड से मंडावर मार्ग पर एक बस प्रात: जाती है वहीं रेनी को एकमात्र बस सायंकाल 7 बजे के बाद जाती है।

राजगढ़ कस्बे का बस स्टैंड औपचारिक बनने से यात्री बसों की सुविधाओं से महरूम हो रहें हैं।

दिनभर दोनों मार्गों की यात्रियों को जीपों में बैठकर मजबूरन यात्रा करना पड़ रहा है। ज्ञात रहे कि बस स्टैंड के शुभारंभ पर दो कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई थी, जिससे बारी बारी सायंकाल तक बसों का आवागमन संचालित था। इन दिनों बीमारी से ग्रस्त चालक को बस स्टैंड पर लगाने से चालक एवं परिचालक बेपरवाह हो गए है। यातायात प्रबंधक एवं यातायात निरीक्षक की ओर से यदा-कदा निरीक्षण नहीं होने के कारण बसों का आवागमन प्रभावित है। राजगढ वेलफेयर सोसाइटी ने पथ परिवहन निगम के अधिकारियों से राजगढ बस स्टैंड का संचालन शुरू करने एवं बुकिंग क्लर्क की नियुक्ति की मांग की है।